कक्षा–12 NCERT भूगोल (भारत – लोग और अर्थव्यवस्था)

अध्याय–01 (जनसंख्या – वितरण, घनत्व, वृद्धि एवं संघटन) – वीडियो नोट्स

Youtube Channel Name : Siddhi Vinayak Sangaria

Channel Link- https://www.youtube.com/channel/UCJlUDM0uPIL7kEO0ZMdDcHg

Telegram link - https://t.me/siddhivinayaksangariamukesh (Siddhi Vinayak Sangaria)

भूगोल के प्रत्येक अध्याय को अच्छे से समझने के लिए

सिद्धि विनायक संगरिया यू–ट्यूब चैनल पर आप वीडियो देखें।

इसके लिए आपको चैनल की प्ले–लिस्ट

NCERT Geography|2021-22|Class 12

(https://www.youtube.com/playlist?list=PLIlq5TfwxGWHvzdSsfQhFHa2CUi1JER_A)

में अध्यायवार सभी वीडियो एकसाथ मिलेंगे।

आप भी पढ़ें और अपने साथियों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

धन्यवाद

मुकेश जाखड़ (व्याख्याता)

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अमरपुरा जालू (संगरिया)

सिद्धि विनायक संगरिया टीम

Youtube Channel : Siddhi Vinayak Sangaria

Page No.:
Date:

कक्षा – 12 भूगोल – (भारत – लोग अर्थव्यवस्था)

अध्याय ① II => Book II भारत – जनसंख्या वितरण

Youtube channel :- Siddhi Vinayak Sangaria

भारत – जनसंख्या वितरण घनत्व, वृद्धि व संघटन

⇓

भारत – जनगणना – प्रति 10 वर्ष => पहली – 1872; सम्पूर्ण – 1881

=> विश्व में स्थान – दूसरा

2011 => लगभग 121 करोड़

=> न्यूनतम – सिक्किम (0.05 %)

=> अधिकतम

कुल जनसंख्या का लगभग 76 %

(i) UP => 16.49 %
(ii) महाराष्ट्र => 9.29 %
(iii) बिहार => 8.58 %
(iv) प. बंगाल => 7.55 %
(v) आन्ध्रप्रदेश => 7.00 %
(6) मध्य प्रदेश => 6.00 %
(7) तमिलनाडु => 5.96 %
(8) राजस्थान => 5.68 %
(9) कर्नाटक => 5.05 %
(10) गुजरात => 4.99 %

Page No. :
Date :

⇒ भारत की जनसंख्या उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया को मिलाकर कुल जन. से भी अधिक है।

⇒ इतनी बड़ी जनसंख्या सीमित संसाधनों पर दबाव डालती है व देश में अनेक सामाजिक व आर्थिक समस्याओं को जन्म देती है।

⇒ भारत में जनसंख्या का वितरण असमान है।

भारत - जनसंख्या वितरण घनत्व वृद्धि व संघटन :

⇓

जन. वितरण (घनत्व) को प्रभावित करने वाले कारक

⇓

भौतिक कारक

(i) भू-विन्यास + जल उपलब्धता + जलवायु

⇓ ⇓ ⇓

समतल व उपजाऊ भूमि — नदी घाटी क्षेत्र — सुखद जलवायु

⇓

अधिक जनसंख्या निवास

[उत्तरी मैदान, डेल्टा, तटीय मैदानी क्षेत्र]

⇓ इसके विपरीत कम जनसंख्या वाले क्षेत्र

Page No. :
Date :

[प्रायद्वीपीय उच्च भाग, हिमालयी राज्य, उ. पूर्वी राज्य, पश्चिमी रेगिस्तान]

(2) सामाजिक ऐतिहासिक व आर्थिक कारक –

⇓

स्थायी कृषि + मानव बस्तियाँ + परिवहन जाल + औद्योगिकरण + नगरीकरण + ↕

⇓

ग्रामीण – नगरीय प्रवास ⇒ (i) सिंचाई विकास ⇒ राजस्थान
(ii) खनिज व ऊर्जा संसाधन ⇒ झारखण्ड
(iii) परिवहन विकास ⇒ प्रायद्वीपीय राज्य

⇓

जनसंख्या में वृद्धि

Page No. :
Date :

वर्ष => 2

// अध्याय-1 भारत : जनसंख्या घनत्व व वृद्धि //

भारत - जनसंख्या वितरण, घनत्व, वृद्धि व संघटन

⇓

जनसंख्या घनत्व => प्रति इकाई क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या को।
⟹ इससे जन. के जमाव की मात्रा का पता चलता है।
⟹ जन. घनत्व => $\frac{\text{कुल जन.}}{\text{कुल क्षेत्र.}}$ => 382 व्यक्ति / Km^2

⇓

	Max	Min
राज्य =>	बिहार (1102)	अरुणाचल प्रदेश (17)
के. शा. प्र =>	दिल्ली (11297)	अण्डमान निकोबार (46)

⇓ वितरण

उच्च घनत्व	मध्यम घनत्व	निम्न घनत्व
⇓	⇓	⇓
दिल्ली, बिहार, UP, पं. बंगाल, केरल, तमिलनाडु	असम, गुजरात, झारखण्ड, A.P, ओडिशा	अण्डमान निकोबार, असम के अलावा उ. पू. राज्य

- कायिक घनत्व => $\frac{\text{कुल जन.}}{\text{कुल कृषि क्षेत्र.}}$
- कृषीय घनत्व => $\frac{\text{कुल कृषि जन.}}{\text{कुल कृषिक क्षेत्र.}}$

Page No.:
Date:

भारत - जनसंख्या वितरण, घनत्व, वृद्धि व संघटन

⇓ ÷ समय के दो अन्तरालों के बीच एक क्षेत्र विशेष में होने वाले जन० परिवर्तन को।

जनसंख्या वृद्धि

⇓

- प्राकृतिक जन० वृद्धि
  - ⇓ जन्म - मृत्यु
  - ⟹ दशकीय वृद्धि दर (2001 - 2011) ⟹ 17.64%
  - ⟹ वार्षिक वृद्धि दर ⟹ 1.64%
- अभिप्रेरित (कृत्रिम) जन० वृद्धि
  - ⇓ प्रवास के कारण

⇓ जन० वृद्धि में क्षेत्रीय भिन्नता

- उच्च जन० वृद्धि क्षेत्र
  - उत्तरी, उ०- पश्चिम मध्य क्षेत्र वाले राज्य
  - (20 - 25%)
- निम्न जन० वृद्धि
  - केरल वृद्धि (9.4%)
  - कर्नाटक, तमिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश, ओडिशा, गोवा, पुडुचेरी
  - (20% से कम)

Siddhi Vinayak Sangaria

Page No. :
Date :

जनसंख्या वृद्धि :- => 3

वर्ष वृद्धि	1901	1911	1921	1931	1941	1951	1961
	-	5.75%	⊖ 0.317	11.60	14.22	13.31	21.51

(1) 1901–1921, (2) 1931–1951

1971	1981	1991	2001	2011
24.80	24.66	23.85	21.54	17.64

(3)

जनसंख्या वृद्धि की प्रावस्था ÷ चार

(क) प्रथम प्रावस्था ÷ (मंद वृद्धि का काल) [1901 – 1921]
उच्च जन्म दर, उच्च मृत्युदर
⇓
रुकी हुई या अस्थिर वृद्धि
⇓
1911 – 1921 => ऋणात्मक वृद्धि
⇓ कारण
अकाल महामारी/ भोजन की कमी/ निरक्षरता।

(ख) द्वितीय अवस्था (स्थिर वृद्धि का काल)
1921 – 1951
उच्च जन्मदर घटती मृत्युदर
⇓
1921 – कारण ⇓ महान जनांकिकीय ⇓ विभाजक वर्ष
इसके बाद जन. में निरन्तर वृद्धि तेजी गई।
⇓
स्वास्थ्य व स्वच्छता में सुधार से मृत्युदर में कमी।

(ग) तृतीय (तीव्र वृद्धि का काल)
1951 – 1981
उच्च जन्मदर/ तेजी से घटती मृत्युदर
⇓
अन्तर्देशीय आप्रवास के कारण जन. विस्फोट अवधि
⇓
1951 – द्वितीय जनांकिकीय विभाजक वर्ष
⇓
इसके बाद जन. मे तीव्र वृद्धि
⇓
औसत वार्षिक वृद्धि दर => 2.2%

Page No. :
Date :

(घ) चतुर्थ अवस्था =>
[घटती वृद्धि का काल के बाद] => विवाह की औसत में वृद्धि महिला => शिक्षा में सुधार
1981 घटती जन्मदर घटती मृत्युदर

विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार 2025 में भारत की जन० 135 करोड़ का अनुमान।

किशोर जनसंख्या [10-19 वर्ष] => 20.9%
किशोर 52.7%
किशोरियां 47.3%

राष्ट्रीय युवा नीति (NYP - 2014) — फरवरी 2014
=> युवाओं को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाती।
=> भारत को दुनिया में उचित स्थान प्राप्त करने में सक्षम बनाना।
=> युवा की आयु सीमा - 15-29 वर्ष।

कौशल विकास व उद्यमिता नीति - 2015
=> देश में हो रही कौशल गतिविधियों को एक रूपरेखा प्रदान करना।
=> कौशल विकास के मानक निर्धारित।

Siddhi Vinayak Sangaria

जनसंख्या संघटन (Composit of Population) :-

⇓ जनसंख्या की सामाजिक विशेषताओं को बताना

(1) आयु व लिंग का विश्लेषण
(2) मानव जातीय लक्षण
(3) जन जातियाँ
(4) वैवाहिक स्थिति
(5) साक्षरता
(6) भाषा
(7) धर्म
(8) व्यवसाय
(9) निवास स्थान [ग्रामीण / नगरीय]

ग्रामीण जनसंख्या — 68.8%

नगरीय जन० — 31.2%

भारत में नगरीय जन० वृद्धि के कारण :-

(1) ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की कमी होना।
(2) नगरों में अधिक सुविधाएं होना।
(3) नगरों में शिक्षा की अच्छी सुविधाएँ होना।
(4) परिवहन व संचार साधनों का विकास होना।
(5) औद्योगिकरण का विकास होना।
(6) कृषि का अलाभकारी होना।

Page No. :
Date :

भाषाई संघटन :

भारत का भाषाई सर्वेक्षण [1903 - 1928]

⇓ ग्रियर्सन

- भाषाएं 179
  - संविधान में अधिसूचित भाषाएं 22
- बोलियां 544
  - अधिक बोलने ⇒ हिन्दी
  - कम बोलने ⇒ संस्कृत, बोडो मणिपुरी

भाषाई वर्गीकरण

⇓ भाषा परिवार 4

- आस्ट्रिक [निषाद] ⇓ 1.38%
- द्रविड ⇓ 20%
- चीनी तिब्बती किरात ⇓ 0.85%
- भारतीय यूरोपीय [आर्य] ⇓ 7.3%

Page No. :
Date :

श्रमजीवी जनसंख्या का संगठन ⇓ आर्थिक आधार पर 3 वर्ग

श्रम की प्रतिभागिता दर % ● कुल जनसंख्या में कार्यशील श्रमिकों [मुख्य व सीमान्त] की जन० का %

① मुख्य श्रमिक [Main workers] ⇓ वह व्यक्ति जो वर्ष में 183 दिन या अधिक दिन तक रोजगार करता है।

② सीमान्त [Marginal] ⇓ 183 दिन से कम दिन काम करता है।

③ अश्रमिक ⇓ जो वर्ष भर काम नहीं करता है। — आश्रित जन०

क्रियाशील जन० 39.8% — राज्य - गोवा 39.6%, 60%

के. शा. प्र - दमन व दीव 49.9%

श्रमजीवी जन० के चार वर्ग [व्यावसायिक वर्ग]

प्राथमिक 54.6%

① कृषक - हिमाचल प्रदेश, नागालैण्ड

② कृषि मजदूर - बिहार, आन्ध्रप्रदेश, छत्तीसगढ, ओडिशा, झारखण्ड, प. बंगाल, A.P.

③ घरेलु औद्योगिक श्रमिक ⇒ 3.8% द्वितीक

④ अन्य श्रमिक ⇒ 41.6% ⇒ तृतीयक ⇒ दिल्ली, चण्डीगढ, पुडुचेरी, मरम्मत, गैर घरेलु उद्योग, व्यापार, वाणिज्य, विनिर्माण

Page No. :

Date :

धार्मिक संघटन

⇓

हिन्दू	मुस्लिम	ईसाई	सिक्ख	बौद्ध	जैन
⇓	⇓	⇓	⇓	⇓	⇓
79.8%	14.2%	2.3%	1.7%	0.7%	0.4%
⇓	⇓	⇓	⇓	⇓	
मंदिर	मस्जिद	गिरिजाघर [चर्च]	गुरुद्वारा	मठ	

⇒ पुरुष

⇒ महिला

⇒ ट्रांस जेंडर

बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ

⇓

22.01.2015 - पानीपत [हरि०]

Siddhi Vinayak Sangaria